एनसीएल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल), पुणे में दिनांक 28 फरवरी, 2007 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया । इस विज्ञान दिवस का प्रारम्भ 22 फरवरी को एनसीएल के शोधछात्रों द्वारा उनके शोधकार्यों से सम्बन्धित पोस्टर प्रदर्शनी के साथ हुआ । इस प्रदर्शनी में शोधछात्रों ने जीवरसायन विज्ञान, उत्प्रेरण, रासायनिक अभियांत्रिकी विज्ञान, कार्बनिक रसायन विज्ञान, भौतिक एवं पदार्थ रसायनविज्ञान तथा बहुलक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी से सम्बन्धित विषयों पर लगभग 150 पोस्टर प्रदर्शित किए । प्रो. डी. बालसुब्रमणियन, अनुसंधान निदेशक, एल.वी. प्रसाद नेत्र चिकित्सा संस्थान, हैदराबाद ने **भारत में स्थानांतरीय जीवविज्ञान : चेचक से स्टेम कोशिका तक** नामक विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान दिया ।

अपने व्याख्यान में प्रो. बालसुब्रमणियन ने भारत में पिछले छह दशकों में स्थानांतरीय जीवविज्ञान के क्षेत्र में हुए विकास की समीक्षा की । इसके अन्तर्गत उन्होंने चेचक टीकाकरण, राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम (एनएमईपी), हरित क्रान्ति, सोयाबीन का प्रारंभ, कुपोषण से सम्बन्धित स्वास्थ्य समस्याओं का प्रबन्धन एवं उनकी रोकथाम, भारतीय औषधि उद्योग का विकास, तदुपरान्त भारतीय एकस्व अधिनियम (1970), जिसके अधीन केवल प्रक्रिया एकस्वों, दूध परियोजना तथा टीके के निर्माण को मान्यता प्रदान की गई है, की सफल विकासयात्रा पर प्रकाश डाला । इनमें से अधिकांश उपलब्धियाँ सतत सामाजिक अभियानों एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से प्राप्त की गईं । उन्होंने इन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु वैज्ञानिक अनुसंधान की सहायतार्थ कार्यमूलक अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने यह बताया कि आज भारत विश्व की टीका (वैक्सीन) की कुल माँग की 45 प्रतिशत आवश्यकता की पूर्ति करता है । उन्होंने आगे कहा कि भारत में डेढ़ करोड़ लोग दृष्टिहीन हैं जिनमें से एक

करोड़ लोग मोतियाबिन्द से सम्बन्धित रोगों से ग्रस्त हैं जिन्हें शल्यचिकित्सा द्वारा ठीक किया जा सकता है । उन्होंने एल.वी. प्रसाद नेत्र चिकित्सा संस्थान में नेत्रों के स्नायुरोग के कारक , विशिष्ट प्रकार के ग्लॉकोमा की रोकथाम, अंग सम्बन्धी स्टेम कोशिका का अभाव आदि जैसे नेत्रों से सम्बन्धित रोगों पर किए जा रहे अनुसंधान की जानकारी दी । अंग सम्बन्धी स्टेम कोशिका के अभाव को अधिक स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि **एल.वी. प्रसाद संस्थान में हमने इस तकनीक को अपनाकर सैकड़ों रोगियों की दृष्टि ठीक की है ।**

एनसीएल के निदेशक डॉ. एस. शिवराम ने अपने स्वागत भाषण में एनसीएल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस सम्बन्धी गतिविधियों की जानकारी देते हुए प्रो. बालसुब्रमणियन का श्रोताओं से परिचय कराया । इससे पूर्व क्रमशः मानेकजी एवं शीरीनबाई नेटेरवाला धर्मादा निधि तथा डॉ. आर.ए. माशेलकर धर्मादा निधि द्वारा प्रायोजित एनसीएल अनुसंधान फाउण्डेशन का वर्ष का वैज्ञानिक पुरस्कार विजेताओं - डॉ. वी.के. जयरामन एवं डॉ. सी.एस. गोपीनाथ दोनो ने उक्त पुरस्कार प्राप्त करने के उपलक्ष्य में व्याख्यान दिए । इसके अलावा शोधछात्रों हेतु कीर्ति संगोराम स्मारक धर्मादा पुरस्कार के विजेता छात्रों तथा कार्बनिक रसायन विज्ञान में उत्कृष्ट शोधपत्र के लिए डॉ. राजप्पा पुरस्कार प्राप्त छात्रों ने पोस्टरों के माध्यम से अपने शोधकार्यों को प्रस्तुत किया । प्रो. बालसुब्रमणियन ने पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए तथा 22 फरवरी, 2007 को जिन शोधछात्रों ने अपने शोधकार्यों से सम्बन्धित पोस्टर प्रदर्शित किए थे, उनमें से प्रत्येक विधा से दो शोधछात्रों को तथा कुल 12 शोधछात्रों को उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार भी प्रदान किए गए । एनसीएल की छात्र शिक्षा समिति ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का संचालन किया तथा उक्त समिति के सदस्य डॉ. सी.जी. सुरेश ने आभार प्रदर्शन किया ।

राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (www.ncl-india.org) पुणे, भारत एक अनुसंधान, विकास एवं परामर्शी संगठन है जो प्रमुखतः रसायनविज्ञान एवं रासायनिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अनुसंधान करता है । इस संगठन का उद्योग जगत के साथ अनुसंधान हेतु सफल भागीदारी का रेकॉर्ड रहा है । राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल) वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (www.csir.res.in) जो भारत में सार्वजनिक निधि प्राप्त सबसे बड़ा अनुसंधान नेटवर्क है, की एक अग्रणी प्रयोगशाला है।